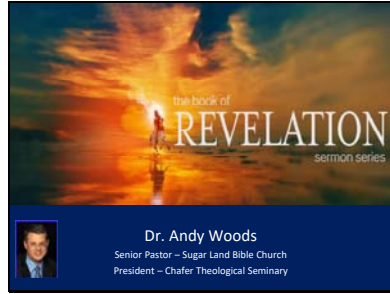


Slide 1



---

---

---

---

---

---

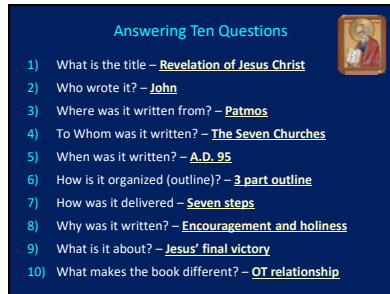
---

---

---

---

Slide 2



---

---

---

---

---

---

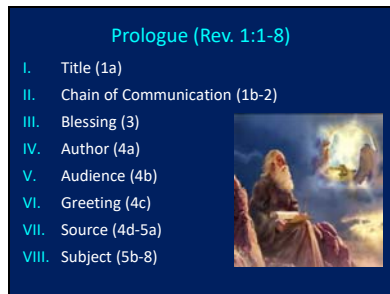
---

---

---

---

Slide 3



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 7



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 8

DESCRIPTION OF THE SEVEN CHURCHES Revelation 2-3		
CHURCH	SCRIPTURE	DESCRIPTION
Ephesus	2:1-7	Loveless
Smyrna	2:8-11	Persecuted
Pergamum	2:12-17	Compromised I
Thyatira	2:18-29	Compromised II
Sardis	3:1-6	Dead
Philadelphia	3:7-13	Missionary
Laodicea	3:14-22	Man-centered

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 9

Pattern of the Letters in Revelation 2-3

1. Destination
2. Description of Christ (Rev. 1)
3. Commendation
4. Rebuke
5. Exhortation to change
6. Consequence
7. Exhortation to listen
8. Promise to overcomers (Rev. 21-22)

An illustration of Christ standing in a white robe, holding a sword in his right hand and a lamp in his left hand. He is surrounded by a glow of light and a small crowd of people.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 13

**Pergamum**  
Revelation 2:12-17

1. Destination (12a)
2. Description of Christ (12b)
3. Commendation (13)
4. Rebuke (14-15)
5. Exhortation (16a)
6. Consequence (16b)
7. Exhortation to listen (17a)
8. Promise to overcomers (17b)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 14

**Pergamum**  
Revelation 2:12-17

1. Destination (12a)
2. Description of Christ (12b)
3. Commendation (13)
4. Rebuke (14-15)
5. Exhortation (16a)
6. Consequence (16b)
7. Exhortation to listen (17a)
8. Promise to overcomers (17b)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 15



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 19

**Pergamum**  
Revelation 2:12-17

1. Destination (12a)
2. Description of Christ (12b)
3. **Commendation (13)**
4. Rebuke (14-15)
5. Exhortation (16a)
6. Consequence (16b)
7. Exhortation to listen (17a)
8. Promise to overcomers (17b)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 20

**Names & Titles Demonstrating Satan's Post-Fall, Earthly Authority**  
(Job 1:7; 2:2; Luke 4:5-8; Rom. 8:19-22)



- Prince of this world (John 12:31; 14:30; 16:11)
- God of this world (2 Cor. 4:4)
- Prince and power of the air (Eph. 2:2)
- Who the believer wrestles with (Eph. 6:12)
- Roaring lion (1 Pet. 5:8)
- Whole world lies in his power (1 John 5:19)

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 21

**Revelation 11:15**

<sup>15</sup> "Then the seventh angel sounded; and there were loud voices in heaven, saying, **The kingdom of the world has become the kingdom of our Lord and of His Christ**; and He will reign forever and ever."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---






Slide 25

3. What Christ Commends in Pergamum  
(Rev. 2:13)

- A. Held fast to His name – 13a
- B. Did not deny His faith – 13b
- C. Positive example of Antipas – 13c



---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 26

3. What Christ Commends in Pergamum  
(Rev. 2:13)

- A. Held fast to His name – 13a
- B. Did not deny His faith – 13b
- C. Positive example of Antipas – 13c



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 27

Pergamum  
Revelation 2:12-17

1. Destination (12a)
2. Description of Christ (12b)
3. Commendation (13)
4. Rebuke (14-15)
5. Exhortation (16a)
6. Consequence (16b)
7. Exhortation to listen (17a)
8. Promise to overcomers (17b)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



Slide 31

**Balaam's 7 Oracles Blessing Israel (23-24)**

- 1) First oracle (23:1-12), Balaam explained that God's blessings upon Israel were irrevocable.
- 2) Second oracle (23:13-26), Balaam explained that the source of Israel's blessing was her unique relationship to Yahweh
- 3) Third oracle (23:27-24:14), Balaam extolled Israel's beauty.
- 4) Fourth oracle (24:15-19), Balaam explained that a future messianic deliverer (Gen 49:10) would spring forth and exercise dominion from Israel.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 32

**Balaam's 7 Oracles Blessing Israel (23-24)**

5. Fifth oracle (Num 24:20) predicts Amalek's destruction. Amalek was the first foe that Israel had to fight against after leaving Egypt (Exod 17).
6. Sixth oracle (24:21-22) predicts the destruction of the Midianite group known as the Kenites as well as Assyria.
7. The nations of the seventh oracle are difficult to identify (24:23-24).

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 33

**Balaam's 7 Oracles Blessing Israel (23-24)**

- 1) First oracle (23:1-12), Balaam explained that God's blessings upon Israel were irrevocable.
- 2) Second oracle (23:13-26), Balaam explained that the source of Israel's blessing was her unique relationship to Yahweh
- 3) Third oracle (23:27-24:14), Balaam extolled Israel's beauty.
- 4) Fourth oracle (24:15-19), Balaam explained that a future messianic deliverer (Gen 49:10) would spring forth and exercise dominion from Israel.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



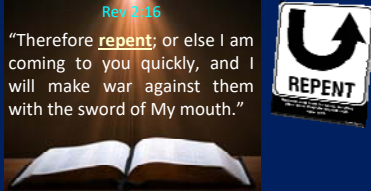


Slide 40

4. So What? - Points of Application!

Rev 2:16

"Therefore **repent**; or else I am coming to you quickly, and I will make war against them with the sword of My mouth."



---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 41



Lewis Sperry Chafer  
vol. 7, Systematic Theology (Grand Rapids, MI: Kregel Publications, 1993), 265-66.

[A] serious Arminian error respecting this doctrine occurs when **repentance** is added to faith or believing as a condition of salvation. It is true that repentance can very well be required as a condition of salvation, but then only because the change of mind which...has been involved when turning from every other confidence to the **one needful trust** in Christ. Such turning about, of course, cannot be achieved without a change of mind.

---

---

---

---

---

---


---

---

---

---

Slide 42



Lewis Sperry Chafer  
vol. 7, Systematic Theology (Grand Rapids, MI: Kregel Publications, 1993), 265-66.

This vital newness of mind is a part of believing, after all, and therefore it may be and is used as a **synonym for believing** at times (cf. Acts 17:30; 20:21; 26:20; Rom. 2:4; 2Tim. 2:25; 2 Pet. 3:9). **Repentance** nevertheless cannot be added to believing as a condition of salvation, because upwards of 150 passages of Scripture condition salvation upon believing only (cf. John 3:16; Acts 16:31).

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 43

Three Tenses of Salvation			
Phase	Justification	Sanctification	Glorification
Tense	Past	Present	Future
Saved from sin's:	Penalty	Power	Presence
Scripture	Eph 2:8-9; Titus 3:5	Philip 2:12	Rom 5:10

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 44

Pergamum  
Revelation 2:12-17

1. Destination (12a)
2. Description of Christ (12b)
3. Commendation (13)
4. Rebuke (14-15)
5. Exhortation (16a)
6. **Consequence (16b)**
7. Exhortation to listen (17a)
8. Promise to overcomers (17b)



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


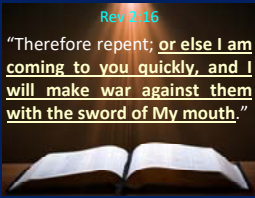
---

---

Slide 45

5. So What? - Points of Application!

Rev 2:16  
"Therefore repent; or else I am coming to you quickly, and I will make war against them with the sword of My mouth."



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---



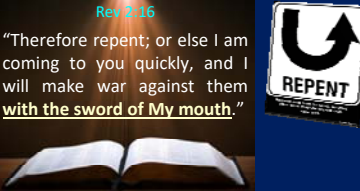


Slide 49

5. So What? - Points of Application!

Rev 2:16

"Therefore repent; or else I am coming to you quickly, and I will make war against them with the sword of My mouth."



The slide features a dark blue background. At the top, it says '5. So What? - Points of Application!'. Below that, 'Rev 2:16' is written in red. A quote from Revelation 2:16 is displayed in white text, with 'with the sword of My mouth' underlined. To the right of the text is a white sign with a black border, featuring a black circular arrow pointing upwards and the word 'REPENT' in bold black letters. Below the text and sign is an image of an open book with white pages.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 50



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 51

Pergamum

Revelation 2:12-17

1. Destination (12a)
2. Description of Christ (12b)
3. Commendation (13)
4. Rebuke (14-15)
5. Exhortation (16a)
6. Consequence (16b)
7. Exhortation to listen (17a)
8. Promise to overcomers (17b)



The slide features a dark blue background. At the top, it says 'Pergamum' in red. Below that, 'Revelation 2:12-17' is written in white. A list of eight points is shown in white text. The seventh point, 'Exhortation to listen (17a)', is underlined. To the right of the list is an image of a quill pen and a scroll with the text 'To the Church in Pergamum...' written on it.

---

---

---

---

---

---

---

---

---

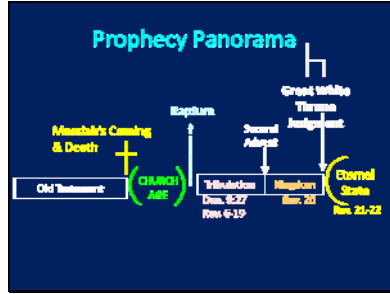
---

---

---



Slide 55



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 56

3. Christ's Promises to Overcomers in Pergamum  
(Rev. 2:17)

- A. Hidden Manna – 17a
- B. White Stone – 17b
- C. New Name – 17c

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 57

3. Christ's Promises to Overcomers in Pergamum  
(Rev. 2:17)

- A. Hidden Manna – 17a
- B. White Stone – 17b
- C. New Name – 17c

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

Slide 58



---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 59

3. Christ's Promises to Overcomers in Pergamum  
(Rev. 2:17)

- A. Hidden Manna – 17a
- B. White Stone – 17b
- C. New Name – 17c




---

---

---

---

---

---

---

---

---

---


---

---

Slide 60

3. Christ's Promises to Overcomers in Pergamum  
(Rev. 2:17)

- A. Hidden Manna – 17a
- B. White Stone – 17b
- C. New Name – 17c




---

---

---

---

---

---

---

---

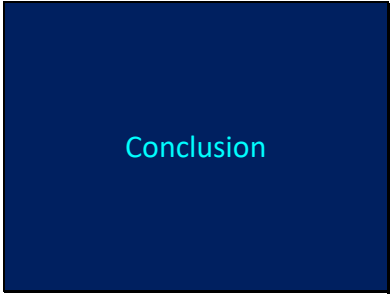
---

---

---

---

Slide 61




---



---



---



---



---



---



---

Slide 62

Pergamum  
Revelation 2:12-17

1. Destination (12a)
2. Description of Christ (12b)
3. Commendation (13)
4. Rebuke (14-15)
5. Exhortation (16a)
6. Consequence (16b)
7. Exhortation to listen (17a)
8. Promise to overcomers (17b)




---



---



---



---



---





---



---

Slide 63

"The LORD bless you and keep you; the LORD make his face shine on you and be gracious to you; the LORD turn his face toward you and give you peace." (NIV)

---



---



---



---



---



---



---

Rev. 1:16-In His right hand He held seven stars, and out of His mouth came **a sharp two-edged sword**; and His face was like the sun <sup>[k]</sup>shining in its strength.

Rev. 19:15-From His mouth comes **a sharp sword**, so that with it He may strike down the nations, and He will <sup>[d]</sup>rule them with a rod of iron; and He treads the <sup>[e]</sup>wine press of the fierce wrath of God, the Almighty.

Heb. 4:12-For the word of God is living and active and **sharper than any two-edged sword**, and piercing as far as the division of soul and spirit, of both joints and marrow, and able to judge the thoughts and intentions of the heart.

Acts 2:37-Now when they heard *this*, they were <sup>[ai]</sup>**pierced** to the heart, and said to Peter and the rest of the apostles, “<sup>[ak]</sup>Brethren, <sup>[al]</sup>what shall we do?”

### **13**

Acts 4:12-And there is salvation in no one else; for there is no other **name** under heaven that has been given among men by which we must be saved.

Philip. 2:9-10-For this reason also, God highly exalted Him, and bestowed on Him the **name** which is above every name, <sup>10</sup> so that at the **name** of Jesus EVERY KNEE WILL BOW, of those who are in heaven and on earth and under the earth.

Heb. 11:6-And without **faith** it is impossible to please *Him*, for he who comes to God must **believe** that He is and *that* He is a rewarder of those who seek Him.

Matt. 23:35-so that upon you may fall *the guilt of* all the righteous blood shed on earth, from the blood of righteous Abel to the blood of Zechariah, the son of Berechiah, whom you murdered between the <sup>[ab]</sup>temple and the altar.

1 Cor. 4:2-In this case, moreover, it is required <sup>[a]</sup>of stewards that one be found trustworthy.

## 14

Gal. 5:9-A **little** leaven leavens the whole lump *of dough*.

Jas. 3:1-Let not many *of you* become teachers, my brethren, knowing that as such we will incur a <sup>[a]</sup>stricter judgment.

1 Tim. 4:1-But the Spirit explicitly says that in later times some will <sup>[a]</sup>fall away from the faith, paying attention to deceitful spirits and **doctrines of demons**.

Exod. 34:15-otherwise you might make a covenant with the inhabitants of the land and they would play the harlot with their gods and sacrifice to their gods, and someone might invite you <sup>[m]</sup>to eat of his sacrifice.

2 Pet. 2:15-forsaking the right way, they have gone astray, having followed **the way of Balaam**, the *son* of Beor, who loved the wages of unrighteousness.

Jude 11-Woe to them! For they have gone the way of Cain, and for pay <sup>[a]</sup>**they have rushed headlong into the error of Balaam**, and perished in the rebellion of Korah.

## 15

Rev. 2:6-Yet this you do have, that you hate the deeds of the **Nicolaitans**, which I also hate.

## **16**

Heb. 4:12-For the word of God is living and active and sharper than any two-edged sword, and piercing as far as the division of soul and spirit, of both joints and marrow, and able to judge the thoughts and intentions of the heart.

Num. 31:8-They killed the kings of Midian along with the *rest of their slain*: Evi and Rekem and Zur and Hur and Reba, the five kings of Midian; **they also killed Balaam the son of Beor with the sword.**

Josh. 13:22-The sons of Israel also **killed Balaam the son of Beor, the diviner, with the sword** among *the rest of their slain*.

## **17**

Nehemiah 8:2-3--<sup>2</sup> Then Ezra the priest brought the law before the assembly of men, women and all who *could* listen with understanding, on the first day of the seventh month. <sup>3</sup> **He read from it** before the square which was in front of the Water Gate **from early morning until midday**, in the presence of men and women, those who could understand; and **all the people were attentive to the book of the law.**

James 1:21- Therefore, putting aside all filthiness and *all* <sup>[v]</sup>that remains of wickedness, **in humility receive the word** implanted, which is able to save your souls.



1 John 3:2-3-We know that when He appears, we will be like Him, because we will see Him just as He is. <sup>3</sup> And everyone who has this hope *fixed* on Him purifies himself, just as He is pure.

1 Kgs. 18:19-Now then send *and* gather to me all Israel at Mount Carmel, *together* with 450 **prophets of Baal and 400 prophets of the Asherah, who eat at Jezebel's table.**

Exod. 16:32-35-<sup>32</sup> Then Moses said, “This is <sup>[x]</sup>what the LORD has commanded, ‘Let an omerful of it be kept throughout your generations, that they may see the bread that I fed you in the wilderness, when I brought you out of the land of Egypt.’” <sup>33</sup> Moses said to Aaron, “Take a jar and put an omerful of manna in it, and place it before the LORD to be kept throughout your generations.” <sup>34</sup> As the LORD commanded Moses, so Aaron placed it before the Testimony, to be kept.<sup>35</sup> The sons of Israel ate the manna forty years, until they came to an inhabited land; they ate the manna until they came to the border of the land of Canaan.

Ps. 78:19-Then they spoke against God; They said, “Can God prepare a table in the wilderness?”

Ps. 78:24-25-He rained down manna upon them to eat And gave them food from heaven. <sup>25</sup> Man did eat the bread of angels; He sent them food in abundance.

John 6:35-Jesus said to them, “I am the bread of life; he who comes to Me will not hunger, and he who believes in Me will never thirst.

Isa. 1:18-“Come now, and let us reason together,” Says the LORD, “Though your sins are as scarlet, They will be as **white as snow**; Though they are red like crimson, They will be like wool.”

Gen. 17:5-“No longer shall your name be called Abram, But your name shall be Abraham; For I have made you the father of a multitude of nations.

Gen. 17:15-16-<sup>15</sup> Then God said to Abraham, “As for Sarai your wife, you shall not call her name Sarai, but Sarah *shall be* her name. <sup>16</sup> I will bless her, and indeed I will give you a son by her. Then I will bless her, and she shall be *a mother of nations*; kings of peoples will come from her.”

Isa. 62:2-The nations will see your righteousness, And all kings your glory; And you will be called by **a new name** Which the mouth of the LORD will designate.

Isa. 65:15-You will leave your name for a curse to My chosen ones, And the Lord <sup>[i]</sup>GOD will slay you. But <sup>[k]</sup>My servants will be called by **another name**.

2 Cor. 5:17-Therefore if anyone is in Christ, <sup>[h]</sup>*he is* a new creature; the old things passed away; behold, new things have come.

Matt. 7:22-23-Many will say to Me on that day, ‘Lord, Lord, did we not prophesy in Your name, and in Your name cast out demons, and in Your name perform many <sup>[n]</sup>miracles?’ <sup>23</sup> And then I will declare to them, ‘I never **knew you**; DEPART FROM ME, YOU WHO PRACTICE LAWLESSNESS.’

## **Conclusion**

Num. 6:24-26- The LORD bless you, and keep you;  
<sup>25</sup> The LORD make His face shine on you, And be gracious to  
you; <sup>26</sup> The LORD lift up His countenance on you, And give you  
peace.'